[This question paper contains 4 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक............

Sr. No. of Question Paper : 5170 **H**

Unique Paper Code : 2052102402

Name of the Paper : Aadhunik Hindi Kavita (Chhayawad Tak)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi – DSC**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10×3=30)

(क) सब गुरु जन को बुरो बतावै।

अपनी खिचड़ी अलग पकावै।।

भीतर तत्व न झूठी तेजी।

क्यों सखि सज्जन नहिं 'अँगरेज'।।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

अथवा

अब तो विषय की ओर से मन की सुरति को फेर दो,
जिस ओर गति हो समय की उस ओर मति को फेर दो।
गाया बहुत-कुछ राग तुमने योग और वियोग का,
संचार कर दो अब यहाँ उत्साह का, उद्योग का।।

(ख) वन, उपवन, गिरी, सानु कुंज में मेघ बरस पड़ते हैं।
मेरा आत्म-प्रलय होता है, नयन नीर झड़ते हैं।
पढ़ो लहर, तट, तृण, तरु गिरि, नभ, किरन, जलद पर प्यारी।
लिखी हुई यह मधुर कहानी विश्व-विमोहन हारी।

अथवा

वसुधा पर ओस बने बिखरे
हिमकन आँसू जो क्षोभ भरे
उषा बटोरती अरुण गात !
अब जागो जीवन के प्रभात !

(ग) "दिये हैं मैंनें जगत को फूल-फल,
किया है अपनी प्रतिभा से चकित-चल;
पर अनश्वर था सकल पल्लवित पल –
ठाठ जीवन का वही – जो ढह गया है।"

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

अथवा

वीरों का कैसा हो वसंत?

आ रही हिमाचल से पुकार,

है उदधि गरजता बार-बार,

प्राची, पश्चिम, भू, नभ अपार,

सब पूछ रहे हैं दिग-दिगंत,

वीरों का कैसा हो वसंत?

2. 'नए ज़माने की मुकरी' में भारतेन्दु को जीवन-यथार्थ का जितना गहरा बोध है उतना शायद ही किसी को हो-स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

'भारत-भारती' (भविष्यत् खंड) की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

3. 'पथिक' कविता के आधार पर रामनरेश त्रिपाठी की जीवन-दृष्टि का परिचय दीजिए। (15)

अथवा

'पेशोला की प्रतिध्वनि' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

4. पठित कविताओं के आधार पर निराला के काव्य का मुख्य स्वर स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

'द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र' कविता का उद्देश्य अपने शब्दों में लिखिए।

5. महादेवी वर्मा के काव्य-वैशिष्ट्य रेखांकित कीजिए। (15)

अथवा

'ठुकरा दो या प्यार करो' कविता का काव्य-सौंदर्य लिखिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY